लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

BRICS STANDS FOR GREATER DEMOCRATIZATION OF GLOBAL GOVERNANCE SYSTEM AND REFORMING INTERNATIONAL ORGANIZATIONS: LOK SABHA SPEAKER/ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतान्त्रिक बनाने तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार करने के लिए प्रयासरत है: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA IS A PROACTIVE PARTNER FURTHERING BRICS AGENDA OF INCLUSIVE GROWTH AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT: LOK SABHA SPEAKER/समावेशी तथा सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में भारत सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA'S PHILOSOPHY OF 'VASUDHAIVA KUTUMBAKAM,' IS IN SYNC WITH COMMITMENT OF BRICS TO EQUALITY, SOLIDARITY, AND MUTUALLY BENEFICIAL COOPERATION: LOK SABHA SPEAKER/भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की विचारधारा ब्रिक्स द्वारा अभिव्यक्त समानता, एकजुटता तथा परस्पर लाभकारी सहयोग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है: लोक सभा अध्यक्ष

…

PARLIAMENTARIANS PLAY A CRUCIAL ROLE IN ADVANCING AGENDA OF GROWTH AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT: LOK SABHA SPEAKER/सांसद प्रगति और सतत विकास के एजेंडा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

STRENGTHENING INTER-PARLIAMENTARY COOPERATION WOULD CULTIVATE A MORE INCLUSIVE AND DEMOCRATIC BRICS PARTNERSHIP: LOK SABHA SPEAKER/अंतर-संसदीय सहयोग को मजबूत करने से ब्रिक्स देशों के बीच साझेदारी और अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक होगी: लोक सभा अध्यक्ष

…

SHRI BIRLA WELCOMES EGYPT, ETHIOPIA, IRAN, SAUDI ARABIA, AND UAE INTO BRICS PARLIAMENTARY FORUM/श्री बिरला ने ब्रिक्स संसदीय मंच में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई का स्वागत किया

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES PLENARY SESSION OF THE BRICS PARLIAMENTARY FORUM/लोक सभा अध्यक्ष ने ब्रिक्स संसदीय मंच के पूर्ण सत्र को संबोधित किया

…

LOK SABHA SPEAKER SPEAKS ON "THE BRICS PARLIAMENTARY DIMENSION: PROSPECTS FOR STRENGTHENING INTER-PARLIAMENTARY COOPERATION"/लोक सभा अध्यक्ष ने " ब्रिक्स संसदीय आयाम: अंतर-संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करने की संभावनाएं" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए

…

SHRI BIRLA'S VISIT TO RUSSIA TO ATTEND BRICS PARLIAMENTARY FORUM MEETING IS HIS FIRST FOREIGN VISIT AFTER HIS HISTORIC ELECTION AS LOK SABHA SPEAKER FOR SECOND CONSECUTIVE TERMS/ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में भाग लेने के

लिए श्री बिरला की रूस यात्रा लोक सभा अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए उनके ऐतिहासिक चुनाव के बाद पहली विदेश यात्रा है।

…

St. Petersburg 11 July, 2024 : Lok Sabha Speaker Shri Om Birla who is leading the Indian Delegation to the 10th BRICS Parliamentary Forum, in St. Petersburg, Russia, addressed the first plenary session the theme of which was 'The BRICS Parliamentary dimension: prospects for strengthening inter-parliamentary cooperation' today.

While wishing 'Dobroye utro (Good morning)' to the dignitaries present, Shri Birla informed that approximately 65 crore voters exercised their franchise in the recently concluded Lok Sabha elections, after which Shri Narendra Modi took oath as the Prime Minister for the third time. He said that it is his good fortune that the country's elected house, Lok Sabha, elected him to the post of Speaker for the second consecutive time.

Extending a welcome to the four new Members, namely Egypt, Ethiopia, Iran, Saudi Arabia, and the United Arab Emirates into BRICS Parliamentary Forum, Shri Birla commended the Russian Chair for ensuring the seamless integration of the new members into the organization. BRICS, largely representing the interests of the developing world, stands for greater democratization of global governance system, and for reforming the international organizations such as the UN Security Council, WTO, at global level, Shri Birla felt.

Emphasizing the crucial role of Parliaments and parliamentarians in advancing the BRICS agenda for inclusive growth and sustainable development, Shri Birla observed that India is a proactive partner in this initiative. He highlighted India's commitment to uniting emerging markets and developing countries and affirmed its dedication to the principles of mutual respect, understanding, equality, solidarity, openness, inclusiveness, and consensus.

Stressing the importance of enhancing cooperation among BRICS members and other multilateral forums, Shri Birla cited the Indian philosophy of 'Vasudhaiva Kutumbakam,' meaning "the world is one family" which is in sync with commitment of BRICS to equality, solidarity and mutually beneficial cooperation.

Mentioning the successful conclusion of the 18th G20 Summit and the Ninth G20 Parliamentary Speakers' Summit (P20) in New Delhi last year, Shri Birla noted that those historic events exemplify India's commitment to the philosophy of finding collaborative solutions for global well-being and inclusive development.

India believes that the insights and proposals shared by Presiding Officers at the New Delhi P20 summit on Agenda 2030 for SDGs, sustainable energy transitions, gender equality, and public digital platforms will significantly enhance global collaboration for inclusive growth and sustainable development, Shri Birla elaborated.

On the role of Inter-Parliamentary fora, Shri Birla emphasized that Parliamentarians play a crucial role in advancing the agenda of growth and sustainable development, viewing the BRICS Parliamentary Forum as pivotal in this context. He highlighted that such fora offer Parliamentarians valuable opportunities to exchange new ideas, innovative legislation, and best practices. Elucidating the active involvement of Parliaments, Shri Birla underscored its importance in achieving SDGs and tackling global challenges such as climate change, socio-economic growth, and poverty alleviation. Calling for the need to strengthen the BRICS parliamentary dimension Shri Birla advocated India's stance of collaboration among that BRICS Parliaments to enhance cooperation and solidarity, reform global governance, improve multilateral organizations, promote economic recovery, and accelerate the implementation of the 2030 agenda for sustainable development.

Shri Birla also referred to the challenges ahead but remained optimistic that strengthening inter-parliamentary cooperation would cultivate a more inclusive and democratic BRICS partnership. He reiterated India’s commitment to democratic values and sustainable development and to furthering the BRICS agenda. Lastly he expressed his gratitude to his Russian counterpart and the Parliament of the Russian Federation for their exemplary hospitality.

During the day, Shri Birla also met H.E. Ms.Tulia Ackson, IPU president.

Shri Birla’s visit to Russia to attend the 10th BRICS Parliamentary Forum meeting was his first foreign visit after his historic election as Lok Sabha Speaker for second consecutive terms.

सेंट पीटर्सबर्ग 11 जुलाई, 2024: रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज पहले पूर्ण सत्र को संबोधित किया। इस सत्र का विषय था-'ब्रिक्स संसदीय आयाम: अंतर-संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करने की संभावनाएं'।

उपस्थित गणमान्य प्रतिभागियों को 'Dobroye utro (शुभ प्रभात)' करते हुए श्री बिरला ने सूचित किया कि हाल ही में संपन्न लोक सभा चुनाव में लगभग 65 करोड़ मतदाताओं ने वोटिंग की जिसके पश्चात् श्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधान मंत्री पद की शपथ ली।

उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि देश के निर्वाचित सदन लोक सभा ने उन्हें लगातार दूसरी बार स्पीकर पद पर निर्वाचित किया।

ब्रिक्स संसदीय मंच में चार नए सदस्यों, अर्थात् मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए, श्री बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस के अध्यक्ष की सराहना की। श्री बिरला ने कहा कि विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतान्त्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसदों और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है। उन्होंने उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एकजुट करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ ही परस्पर सम्मान, समझ, समानता, एकजुटता, पारदर्शिता, समावेशिता और आम सहमति के सिद्धांतों के प्रति भारत की निष्ठा के बारे में भी बात की।

ब्रिक्स के सदस्य देशों और अन्य बहुपक्षीय मंचों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' अर्थात समस्त संसार एक परिवार है के सिद्धान्त पर चलता है जो ब्रिक्स द्वारा अभिव्यक्त समानता, एकजुटता और परस्पर लाभकारी सहयोग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। पिछले वर्ष नई दिल्ली में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन और जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन (पी-20) के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि ये ऐतिहासिक आयोजन विश्व कल्याण और समावेशी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संयुक्त प्रयास करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। श्री बिरला ने इस बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि भारत का मानना है कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एजेंडा 2030, सतत ऊर्जा परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता और सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में नई दिल्ली में आयोजित पी-20 शिखर सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों द्वारा साझा किए गए विचारों और प्रस्तावों से समावेशी और सतत विकास के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

अंतर-संसदीय मंचों की भूमिका के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सांसद प्रगति और सतत विकास के एजेंडा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस संदर्भ में ब्रिक्स संसदीय मंच को एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए श्री

बिरला ने कहा कि ऐसे मंच पर सांसदों को नए विचारों, नए कानूनों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर प्राप्त होता है। संसदों की सक्रिय भागीदारी के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और जलवायु परिवर्तन, सामाजिक-आर्थिक विकास और गरीबी को दूर करने जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संसदों के आपसी सहयोग के महत्व का उल्लेख किया। ब्रिक्स संसदीय मंच को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत परस्पर सहयोग और एकजुटता बढ़ाने, वैश्विक शासन व्यवस्था और बहुपक्षीय संगठनों में सुधार करने, आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए ब्रिक्स संसदों के बीच सहयोग का पक्षधर है।

श्री बिरला ने भावी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए यह आशा व्यक्त की कि अंतर-संसदीय सहयोग को मजबूत करने से ब्रिक्स देशों के बीच साझेदारी और अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक होगी। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। अंत में उन्होंने अपने रूसी समकक्ष और रूसी संघ की संसद द्वारा किए गए आतिथ्य- सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया।

दिन के दौरान, श्री बिरला ने आईपीयू अध्यक्ष महामहिम सुश्री तुलिया एक्सन से भी मुलाकात की।

10वीं ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में भाग लेने के लिए श्री बिरला की रूस यात्रा लोक सभा अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए उनके ऐतिहासिक चुनाव के बाद पहली विदेश यात्रा है।